



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 244]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 26, 2010/भाद्र 4, 1932

No. 244]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 26, 2010/BHADRA 4, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 2010

विषय : चीन जन. गण. और यूएई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ओपल ग्लासवेयर के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत ।

सं. 14/24/2010/डीजीएडी.—मै. टीपीएम कन्सल्टेन्ट्स एंड सॉलिसीटर्स ने मै. ला. ओपाला आरजी लि. की ओर से 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् नियम कहा जाएगा) तथा सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण हेतु) नियमावली, 1995 (जिन्हें एतदपश्चात् नियम कहा जाएगा) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें उन्होंने चीन जन. गण. तथा यू ए ई (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ओपल ग्लासवेयर (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन का आरोप लगाते हुए पाटनरोधी जांच शुरू किए जाने का अनुरोध किया है ।

2. और यतः प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग की क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं और वे एतद्वारा किसी कथित पाटन की उपस्थिति और मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन एवं परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच प्रारंभ करते हैं ।

## घरेलू उद्योग

3. यह आवेदन मै. ला ओपाला आरजी लि. की ओर से दायर किया गया है। इस उत्पादक द्वारा वर्तमान जाँच से संगत सूचना प्रस्तुत की गई है। कुल भारतीय उत्पादन में आवेदक कंपनी के उत्पादन का हिस्सा 50% से अधिक बनता है। प्राधिकारी ने यह निर्णय लिया है कि (क) भारतीय उत्पादन में आवेदक कंपनी का एक प्रमुख हिस्सा है; और (ख) यह आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से किया गया है ।

4. उपर्युक्त की जाँच के पश्चात् प्राधिकारी प्रथम दृष्ट्या यह निर्णय लेते हैं कि याचिकाकर्ता नियम 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है और यह आवेदन नियमावली के नियम 5 के अनुसार घरेलू उद्योग होने की शर्तों को पूरा करता है।

#### विचाराधीन उत्पाद

5. वर्तमान याचिका में विचाराधीन सभी प्रकार का ओपल ग्लासवेयर है। ओपल ग्लास दूधिया रंग का ग्लास होता है जिसका लाइटिंग फिक्सचर और टेबलवेयर में व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। ओपल ग्लास प्रकाश का विकीर्णन करता है और यह विशेषता ओपल ग्लास को काफी आकर्षक बनाती है। ओपल ग्लासवेयर के विनिर्माण हेतु ओपल ग्लास का उत्पादन करने के लिए सैण्ड/क्वार्ट्ज, लाइम, डोलोमाइट, ट्रौना, ऑर्थोक्लेज, बॉरेक्स, एल्बाइट का इस्तेमाल किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग चाय, कॉफी, सूप और अल्पाहार परोसने सहित सामान्य खाद्य पदार्थों को रखने के लिए किया जाता है।

6. ओपल ग्लासवेयर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के तहत सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 7013 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

#### समान वस्तुएँ

7. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएँ संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित वस्तुओं के “समान वस्तुएँ” हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुएँ तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से तुलनीय हैं और भौतिक, तकनीकी विनिर्देशनों, प्रकारों तथा अंतिम उपयोग के संदर्भ में प्रतिस्थापनीय हैं। अतः जाँच के प्रयोजनार्थ आवेदक द्वारा उत्पादित ओपल ग्लासवेयर को पाटनरोधी नियम के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित ओपल ग्लासवेयर के “समान वस्तु” माना जा रहा है।

#### शामिल देश

8. वर्तमान जाँच में शामिल देश चीन, जन. गण. और यूएई हैं।

#### पाटन

#### सामान्य मूल्य

9. याचिकाकर्ता ने चीन, जन. गण. के लिए गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा किया है और पाटनरोधी नियम के अनुबंध I के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का दावा किया है। याचिकाकर्ता ने बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक अतिरिक्त व्यय और उचित लाभ सहित उत्पादन

लागत के अनुमान के आधार पर परिकलित सामान्य मूल्य का दावा किया है। इस प्रकार जाँच की शुरुआत के प्रयोजनार्थ दावा किए गए परिकलित सामान्य मूल्य को ही चीन हेतु सामान्य मूल्य का प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य माना गया है। यूएई के संबंध में भी सामान्य मूल्य याचिकाकर्ता द्वारा परिकलित किया गया है जिसे यूएई हेतु सामान्य मूल्य का प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य माना गया है। जाँच शुरुआत के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने प्रथम दृष्ट्या याचिकाकर्ता के दावे के अनुसार सामान्य मूल्य को ही संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य माना है।

### निर्यात कीमत

10. निर्यात कीमत का दावा आईबीआईएस द्वारा जारी सौदा-वार आंकड़ों के अनुसार जाँच की प्रस्तावित अवधि के लिए आयातों की मात्रा और मूल्य को ध्यान में रखते हुए किया गया है। याचिकाकर्ता द्वारा संगत आयात के विवरणों को भार में परिवर्तित किया गया है। आयात कीमत का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के सभी ज्ञात आयातों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, पत्तन प्रहस्तन, अंतर्देशीय परिवहन और बैंक कमीशन के आधार पर समायोजन का दावा किया गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की निवल निर्यात कीमत के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं।

### पाटन मार्जिन

11. इस बात के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमतों से काफी अधिक हैं जिससे प्रथम दृष्ट्या यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देश से निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है। सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की तुलना कारखाना द्वार स्तर पर की गई है जिससे संबद्ध देशों के संदर्भ में अत्यधिक पाटन मार्जिन प्रदर्शित होता है।

### क्षति एवं कारणात्मक संबंध

12. याचिकाकर्ता ने वास्तविक क्षति के संबंध में विभिन्न मानदण्डों से संबंधित सूचना उपलब्ध कराई है। आवेदक ने इस बात से संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं कि कथित पाटन के परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग, नियोजित पूँजी पर आय और लाभप्रदता में कमी के रूप में घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध देशों से पाटित आयातों के प्रभावस्वरूप कीमत कटौती और कीमत अवमूल्यन को दर्शाने वाले प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य भी मौजूद हैं। घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति और संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण यह क्षति होने के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं।

### जांच की अवधि

13. इस मामले में जाँच अवधि में 1 अप्रैल, 2009- 31 मार्च, 2010 है। क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2006-07, 2007-08 और 2008-09 की अवधि को ध्यान में रखा जाएगा।

### सूचना प्रस्तुत करना

14. ज्ञात समझे जाने वाले निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए अलग से लिखा जा रहा है। वर्तमान जाँच में शामिल होने का इच्छुक -कोई अन्य पक्ष भी निम्नलिखित को अपने आवेदन प्रेषित कर सकता है :

निर्दिष्ट प्राधिकारी  
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)  
भारत सरकार  
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
वाणिज्य विभाग  
उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

### समय सीमा

15. इस जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर पहुँच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा अधूरी सूचना प्राप्त होती है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी, उपर्युक्त नियमावली के अनुसरण में, रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

### सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

16. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय सारांश वाली उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

17. सभी हितबद्ध पक्षकार उपर्युक्त नियम के नियम 7(1) के अनुसार उपलब्ध कराई गई गोपनीय सूचना के लिए नियम 7(2) के अनुसार गोपनीय एवं अगोपनीय सारांश उपलब्ध कराएंगे।

18. ऐसे मामलों में जहाँ हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना देने से इन्कार करते हैं अथवा अन्य प्रकार से आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराते हैं अथवा जांच में अत्यधिक

बाधा डालते हैं तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

**INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 26th August, 2010

**Sub:- Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Opal Glassware originating in or exported from China PR and UAE.**

**No.14/24/2010-DGAD** – M/s TPM Consultants & Solicitors, on behalf of M/s La Opala Rg Ltd., has filed an application before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on dumped articles and for determination of injury) Rules, 1995 (herein after referred to as Rules) for initiation of anti dumping investigation concerning alleged dumping of Opal Glassware (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR and UAE (hereinafter referred to as subject-countries).

2. AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of subject goods by the subject countries, injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequential injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

**Domestic Industry**

3. The application has been filed on behalf of M/s La Opala Rg Ltd. This producer has provided information relevant to the present investigation. The production of the applicant company constitutes more than 50 % of total Indian production. The Authority has determined that (a) production of the applicant company constitutes a major proportion in Indian production and ; (b) the application has been made by or on behalf of the domestic industry.

4. The Authority after examining the above, prima facie determines that the petitioner constitutes domestic Industry within the meaning of the rule 2(b) read with 2(d) and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules.

3373 G/10-2

**Product under consideration**

5. The product under consideration in the present petition is Opal Glassware of all types. Opal Glass is a milky white glass, widely used in lighting fixtures and tableware. It has a property of diffusing light, which makes Opal Glassware attractive. Sand/ Quartz, Lime, Dolomite, Trona, Orthoclase, Borax, Albite are used to produce opal glass for manufacturing opal glassware. The product under consideration is used for general serving including serving of tea, coffee, soup, and snacks.

6. Opal Glassware is classified under Custom Sub Heading No. 7013 under the Custom Tariff Act, 1975.

**Like Articles**

7. The applicant has claimed that the goods produced by them are "like articles" to the goods originating in or exported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and imports from subject countries are comparable, technically and commercially substitutable in terms of physical, technical specifications, functions or end-uses. Therefore, for the purpose of investigation, the opal glassware produced by the applicant are being treated as like articles of opal glassware imported from subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

**Countries involved**

8. The countries involved in the present investigation are China PR and UAE.

**Dumping****Normal Value**

Petitioner has claimed China as a non market economy country and has claimed normal value in accordance with Para-7, Annexure-I to the Rules. Petitioner has claimed normal value on the basis of estimates of cost of production, including selling, general & administrative overhead and reasonable profit. Constructed normal value thus claimed is considered as prima facie evidence of normal value for China for the purpose of initiation. In respect of UAE normal value is also constructed by the Petitioner which is considered as the prima facie evidence of normal value for UAE. For the purpose of initiation, the Authority has prima-facie considered the normal value of subject goods in subject countries as claimed by the petitioner.

**Export price**

Export price has been claimed considering volume and value of imports for the proposed period of investigation as per transaction wise data released by IBIS. The relevant import transactions have been converted into weight by the petitioner. Import price has been determined by considering all known imports of the product under consideration. Adjustments are claimed towards ocean freight, marine insurance, commission, port handling, inland transportation and bank commission to arrive at the ex-factory export

price. The Authority notes that there is sufficient prima facie evidence of the net export price for the subject goods from the subject countries.

#### **Dumping Margin**

13. There is sufficient evidence that the normal values of the subject goods in the subject countries are significantly higher than the net export prices indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries. Normal value and export price have been compared at ex-factory level which shows significant dumping margin in respect of subject countries.

#### **Injury and Causal Link**

14. The petitioner has furnished information on various parameters relating to material injury. The applicant has furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping in the form of fall in capacity utilization, return on capital employed and profitability. Further prima-facie evidence is available indicating price undercutting and price suppression effects of dumped imports from subject countries. There is sufficient prima-facie evidence of the material injury being suffered by the domestic industry and the same being caused by dumped imports from subject countries.

#### **Period of Investigation**

15. The period of investigation in this case is 1<sup>st</sup> April 2009 -31<sup>st</sup> March 2010. For the purpose of injury determination, Preceding three years i.e. 2006-07, 2007-08 and 2008-09 will be considered.

#### **Submission of information**

16. The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

**The Designated Authority**  
**(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)**  
**Government of India**  
**Ministry of Commerce & Industry**  
**Department of Commerce**  
**Udyog Bhavan, New Delhi-110011.**

#### **Time limit**

17. Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

**INSPECTION OF PUBLIC FILE**

18. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

19. All interested parties shall provide a confidential and non-confidential summary in terms of Rule 7 (2), for the confidential information provided as per Rule 7 (1) of the Rules supra.

20. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Governments as deemed fit.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority